बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी - १७ जून, २००७)

(समय : दोपहर २:०० से ४:१५) **सत्संग प्रवेश - २** **कुल प्राप्तांक : ७५**

सूचना : दाहिनी ओर दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं।

विभाग-१ : किशोर सत्संग प्रवेश - प्रथम आवृत्ति, जून १९९७

प्रश्न.१. निम्नलिखित विधान कौन, किसे और कब कहता है यह लिखिए । (९ गुण)

१. ''ये किसकी आँखें फूट गई हैं ?'' ३९

२. ''यह सन्त जिसको निर्मानी रहना जरूरी है, वे 'मान' चाहते हैं।'' ६८

३. ''हमारें गाँव में और हमारी सिवान में किसी को भी लेने के लिए यमदूत न आवें ।'' ५८

प्रश्न.२. निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण लिखिए ।(दो से तीन पंक्ति में) (६ गुण)

१. झमकूबा मरे हुए उँट के कंकाल में जाकर छिप गई । ५६

२. शीतलदास के अनेक रूप हो गये । १६

३. सत्संगी को सोने के पहले चेष्टा के पद बोलने चाहिए । ५

प्रश्न.३. निम्नलिखित किन्हीं एक प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए ।(वर्णनात्मक) (५ गुण)

१. वसंतपंचमी, महा शिवरात्रि । ४७

२. शिक्षापत्री के सामान्य नियम । १

३. राणा राजगर । ५७

प्रश्न.४. निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (५ गुण)

१. वेदरस में श्रीजीमहाराज गुरु अर्थात् क्या कहते हैं ? २७

२. चारों भाइयों ने किस देव को प्रसन्न करने का सोचा? २३

३. वचन की मूर्ति कौन माने जाते थे ? २९

४. प्रबोधिनी एकादशी कब आती है ? ४४

६. संदेशवाहक ने चिठ्ठी किसके हाथ में दी ? ६१

प्रश्न.५. सत्संग हो भी जाए..... (७२) - **'स्वामी की बातें' पूर्ण करके विवरण लिखिए । अथवा (५ गुण)**

वचनामृत गढडा प्रथम प्रकरण - ६ (६०) **का विवरण लिखिए ।**

प्रश्न.६. निम्नलिखित कीर्तन/अष्टक/श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । (८ गुण)

१. ''हिंसा न करनी ..... कोईकुं लगात ।'' २२

२. ''हम सभी श्रीजी की ..... मुक्ति के लिए ।'' शौ.गी.

३. ''दुष्प्राप्यमन्यै : ..... नमामि । २०

४. ''सर्वधर्मान् ..... मा शुचः । श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए । ६६

विभाग-२ : शास्त्रीजी महाराज - प्रथम आवृत्ति, जून १९९७

प्रश्न.७. निम्नलिखित विधान कौन, किसे और कब कहता है यह लिखिए । (९ गुण)

१. ''उनकी आत्मा को प्रसन्नता मिलेगी ।'' १०१

२. ''आप हमारी सतत सहायता कीजियेगा और हंमेशां ही आप हमारे साथ रहियेगा ।'' ५६

३. ''यदि वह जगह मिलती है तो वहाँ अवश्य मन्दिर बनवायेंगे ।'' ८८

प्रश्न.८. निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण लिखिए ।(दो से तीन पंक्ति में) (६ गुण)

१. अक्षरपुरुषोत्तम की मूर्तियों की प्रतिष्ठा करने का स्वामीश्री के संकल्पों को बल मिला । ४१

२. गंगाराम मेहताजी डुंगर भक्त का अत्यांधिक ध्यान रखने लगे । ९

३. गांधीजी के प्रयत्न से देश को स्वतंत्रा मिली । ८२

प्रश्न.९. निम्नलिखित किन्हीं एक प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए ।(वर्णनात्मक) (५ गुण)

१. समर्थ वक्ता । (३६) २. सुवर्ण जयन्ती । (९२) ३. शुद्ध उपासना के मन्दिर । (५८)

(पृष्ठ पलटिये)

प्रति,

परीक्षा व्यवस्थापक (दिनांक १७ जून, २००७; परीक्षा - सत्संग प्रवेश - २; माध्यम - हिन्दी; समय - दोपहर २:०० से ४:१५)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किए हुए पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर परीक्षा दी है। निम्नलिखित बातें सही हैं, यह आप की जानकारी के लिए है।

४०२

परीक्षार्थी की अटक : परीक्षा दिनांक :

परीक्षार्थी का नाम : परीक्षा का समय :

पिता / पति का नाम : बैठक क्रमांक : | | | | | | |

परीक्षा स्थल का नाम : केंद्र नंबर : | | | |

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर : केंद्र का नाम :

सूचना : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगत भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को दे दें। सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहने वाले परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा लें ।

प्रश्न.१०. निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **(५ गुण)**

१. जागा भक्त ने यज्ञपुरुषदासजी को प्रसन्न होकर क्या दिया ? ३४

२. लक्ष्मी के धन के चरुकुम्भ को देखकर स्वामीश्री ने क्या कहा ? ६३

३. विज्ञानानंद स्वामी ने आचार्य महाराज को क्या विनति की ? २०

४. सबसे पहले अक्षरपुरुषोत्तम की प्रतिष्ठा कहाँ पर हुई ? ४७

५. अक्षरपुरुषोत्तम की माधुकरी के लिए स्वामीश्री ने कुबेरभाई को क्या समझाया ? ८१

प्रश्न.११. निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । **(६ गुण)**

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. चरणारविंद देनेवाले श्रीजीमहाराज उनको मैं समर्पित करुँगा । २५

(१) ☐ आप उन्हें शास्त्र-विद्या पढाइए ।

(२) ☐ चरणारविंद पास होंगी, तभी साधु उनके पास रहेंगे ।

(३) ☐ चरणारविंद रामरतनदासजी को दिलवाई ।

(४) ☐ आप सत्संग का व्यवहार समझते नहीं है ।

२. बाल डुंगरभक्त द्वारा प्रदर्शित किए गए चमत्कार । ४

(१) ☐ नाडी-प्राण समेटकर समाधि अवस्था में लीन हो गए ।

(२) ☐ उनके चेहरे के अगलबगल चारों ओर तेज के वर्तुल दिखाई दिए ।

(३) ☐ डुंगर भक्त में सब को श्रीजीमहाराज का दर्शन हुआ ।

(४) ☐ दिव्य देह से छपिया गए ।

३. विषम देशकाल ? ५२

(१) ☐ कातिल विषवाली खिचड़ी पत्तल में परोसी गई ।

(२) ☐ मैंने उनके लिए ही मुँडवाया है ।

(३) ☐ मुझे कुछ भी होनेवाला नहीं है, आप लोग चिन्ता न करें ।

(४) ☐ राधाकृष्ण की प्रतिमाएँ कहाँ स्थापित करेंगे ।

प्रश्न.१२. निम्नलिखित वाक्यों में से सही और गलत वाक्य बताकर गलत वाक्यों को सुधारकर फिर से लिखिए । **(६ गुण)**

१. बोचासण में सर्वप्रथम शिखरखंड मंदिर के मध्यखंड में अक्षरपुरुषोत्तम महाराज बिराजे थे । ४८

२. लीमडी के ठाकुर साहब ने मध्य मन्दिर में गोपीनाथ देव की मूर्तिओं की प्रतिष्ठा करने के लिए कहा ? ७२

३. आचार्य भगवत्प्रसादजी महाराज ने डुंगर भक्त को उलहना दिया । १४

४. मोतीभाई ने घनश्याम वैध को जगाकर स्वामीश्री पर जो आपत्ति आई थी उसकी बात की । ४३

५. स्वामीश्री ने सारंगपुर मन्दिर का भव्यातिभव्य द्वार तैयार करवाया । ९२

६. कुबेरभाई ने योगीजी महाराज को ''अडसठ तीर्थ....'' भजन गाने के लिए मना किया । ८०

सूचना : उपरोक्त सभी प्रश्नों में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक १५ जुलाई, २००७ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में भी पूछे जाने की संभावनाएँ हैं ।

❋ ❋ ❋